महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

'सामाजिक परिवर्तन में विधि एक उपकरण' पर हुआ व्याख्यान
हिंदी विश्वविद्यालय के विधि विद्यापीठ का आयोजन

वर्धा, 07 अगस्त 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा सामाजिक परिवर्तन में विधि एक उपकरण के रूप में विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन मंगलवार, 6 अगस्त को किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना और स्वागत वक्तव्य विधि विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी ने किया। विशिष्ट व्याख्यान के वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, शोध एवं विकास के निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता ने कहा कि आधुनिक संसार में प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ है तथा विभिन्न समाजों ने अपने तरीके से इन विकासों को समाहित किया है, जो कि सामाजिक परिवर्तनों में परिलक्षित होता है। इन परिवर्तनों की गति कभी तीव्र रही है कभी मन्द। कभी-कभी ये परिवर्तन अति महत्वपूर्ण रहे हैं तो कभी बिल्कुल महत्वहीन। कुछ

परिवर्तन आकस्मिक होते हैं, हमारी कल्पना से परे और कुछ ऐसे होते हैं जिसकी भविष्यवाणी संभव थी। कुछ से तालमेल बिठाना सरल है जबकि कुछ को सहज ही स्वीकारना कठिन है। कुछ सामाजिक परिवर्तन स्पष्ट है एवं दृष्टिगत हैं जबकि कुछ देखे नहीं जा सकते, उनका केवल अनुभव किया जा सकता है। हम अधिकतर परिवर्तनों की प्रक्रिया और परिणामों को जाने समझे बिना अवचेतन रूप से इनमें शामिल रहे हैं। सामाजिक परिवर्तन के अन्तर्गत हम मुख्य रूप से तीन तथ्यों का अध्ययन करते हैं-सामाजिक संरचना में परिवर्तन, संस्कृति में परिवर्तन एवं परिवर्तन के कारक समाज के किसी भी क्षेत्र में विचलन को सामाजिक परिवर्तन कहा जा सकता है। विचलन का अर्थ यहाँ खराब या असामाजिक नहीं है। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक, नैतिक, भौतिक आदि सभी क्षेत्रों में होने वाले किसी भी प्रकार के परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहा जा सकता है। यह विचलन स्वयं प्रकृति के द्वारा या मानव समाज द्वारा योजनाबद्ध रूप में हो सकता है। परिवर्तन या तो समाज के समस्त ढाँचे में आ सकता है अथवा समाज के

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

किसी विशेष पक्ष तक ही सीमित हो सकता है। परिवर्तन एक सार्वभौमिक घटना है। यह किसी-न-किसी रूप में हमेशा चलने वाली

प्रक्रिया है। कार्यक्रम में वर्धा समाज कार्य संस्थान के निदेशक प्रो. बंशीधर पाण्डेय ने संबोधित करते हुए कहा कि विधि के विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन में कानूनों का हितधारको में प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. युवराज खरे ने तथा डॉ. दिव्या शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. के. बालराजु, आनंद भारती, डॉ. परमानन्द राठोर, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. विजय कुमार सिंह, डॉ. मनोज तिवारी, अमोल आड़े, विक्की लांडे, सौरभ पाण्डेय सहित विधि विद्यार्थियों की उपस्थित रही।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

'कायदा हे सामाजिक परिवर्तनाचे साधन' विषयावर व्याख्यान
हिंदी विश्वविद्यालयाच्या' विधी विद्यापीठा चे आयोजन

वर्धा, 07 ऑगस्ट 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या विधी विभागातर्फे मंगळवार, 6 ऑगस्ट रोजी 'कायदा हे सामाजिक परिवर्तनाचे साधन' या विषयावर विशेष व्याख्यान आयोजित करण्यात आले. कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक व स्वागत विधी विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. जनार्दन कुमार तिवारी यांनी केले. विशेष व्याख्यानाचे वक्ते महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी येथील शोध आणि विकास निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता म्हणाले की आधुनिक जगात प्रत्येक क्षेत्रात विकास झाला आहे आणि विविध समाजांनी आपापल्या परीने या घडामोडींचा समावेश केला आहे. जे सामाजिक बदलांसाठी आवश्यक आहे. या बदलांचा वेग कधी वेगवान तर कधी संथ राहिला आहे. कधी हे बदल फार महत्त्वाचे तर कधी पूर्णपणे नगण्य ठरले आहेत. काही बदल अचानक, आपल्या कल्पनेच्या पलीकडचे असतात आणि काही असे असतात की त्याचा अंदाज बांधणे शक्य होते. काही गोष्टींशी जुळवून घेणे सोपे असते तर काही गोष्टी सहज स्वीकारणे कठीण असते. काही सामाजिक बदल स्पष्ट आणि दृश्यमान असतात, तर काही दिसू शकत नाहीत, ते फक्त अनुभवता येतात. आपण प्रक्रिया आणि परिणाम जाणून न घेता अवचेतनपणे बहुतेक बदलांमध्ये गुंतलो आहोत. सामाजिक बदलांतर्गत आपण प्रामुख्याने तीन गोष्टींचा अभ्यास करतो-सामाजिक रचनेतील बदल, संस्कृतीतील बदल आणि समाजाच्या कोणत्याही क्षेत्रातील विचलन घटकांना सामाजिक बदल म्हणता येईल. येथे विचलन चा अर्थ वाईट किंवा असामाजिक असा नाही. सामाजिक, आर्थिक, राजकीय, धार्मिक, नैतिक, भौतिक अशा सर्वच क्षेत्रात घडणाऱ्या कोणत्याही प्रकारच्या बदलाला सामाजिक बदल म्हणता येईल. हे विचलन निसर्गाद्वारे किंवा मानवी समाजाने नियोजित केल्याप्रमाणे होऊ शकते. बदल एकतर समाजाच्या संपूर्ण संरचनेत होऊ शकतो किंवा समाजाच्या विशिष्ट पैलूपुरत मर्यादित असू शकतो. बदल ही एक सार्वत्रिक घटना आहे. ही कोणत्या ना कोणत्या स्वरूपात सतत चालू असलेली प्रक्रिया आहे.

कार्यक्रमात वर्धा समाजकार्य संस्थेचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडे म्हणाले की कायद्याच्या विद्यार्थ्यांनी सामाजिक परिवर्तनासाठी संबंधितांमध्ये कायद्याचा जास्त प्रचार करावा.

कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. युवराज खरे यांनी केले तर डॉ. दिव्या शुक्ला यांनी आभार मानले. कार्यक्रमात डॉ. के. बालराजु, आनंद भारती, डॉ. परमानन्द राठोर, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. विजय कुमार सिंह, डॉ. मनोज तिवारी, अमोल आड़े, विक्की लांडे, सौरभ पाण्डेय सह विधि विद्यार्थी उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305